दैनिक
पंचकूला ऑब्जर्वर
सच के साथ, समाज के साथ

सुविचार

अपने प्रति भी उतना ही दयालु रहें, जितना आप दूसरों के प्रति हैं।

वर्ष : 1 | अंक : 46 | पंचकूला। सोमवार, 23 मार्च 2026 | www.panchkulaobserver.com | मूल्य : 3 रुपए | RNI No. : HRBIL/25/4317 | पृष्ठ : 4

एक नजर

मोदी सबसे ज्यादा दिन सरकार प्रमुख रहने वाले राजनेता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत में सबसे लंबे समय तक सरकार के प्रमुख रहने वाले नेता बन गए हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के तौर पर सरकार के प्रमुख के रूप में 8,931 दिन पूरे करने के साथ ही पीएम मोदी ने चामलिंग के 8,930 दिनों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। उन्होंने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग को पीछे छोड़ दिया है।

महिला की लाश के साथ 13 घंटे उड़ता रहा विमान

लंदन। ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट में रविवार को एक महिला यात्री की टेकऑफ के करीब 1 घंटे बाद मौत हो गई। इसके बाद उनका शव पूरे 13 घंटे तक विमान में ही रखा रहा। शव को विमान के पीछे वाले हिस्से में रखा गया था, जहां फर्श गर्म था। इसी वजह से धीरे-धीरे बदबू फैलने लगी, जिससे पीछे बैठे यात्रियों को काफी परेशानी हुई। यह घटना हॉन्गकॉन्ग से लंदन जा रही फ्लाइट में हुई। महिला की उम्र करीब 60 साल थी। पायलट ने फ्लाइट को बीच में रोकने या वापस लौटने के बजाय लंदन तक जारी रखने का फैसला किया, क्योंकि नियमों के मुताबिक ऐसी स्थिति को आमतौर पर इमरजेंसी नहीं माना जाता। क्रू मेंबर्स ने पहले शव को टॉयलेट में रखने का सोचा, बाद में उसे कंबल में लपेटकर गैली में रखवा गया।

असम चुनाव के लिए टीएमसी ने जारी की दूसरी सूची

दिसपुर, 22 मार्च। असम विधानसभा चुनाव को लेकर टीएमसी ने अपनी दूसरी उम्मीदवार सूची जारी कर दी है। पार्टी की ओर से यह घोषणा पार्टी अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के मार्गदर्शन में की गई है। इस सूची में असम में तृणमूल कांग्रेस के सात उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। जारी सूची के अनुसार, मांडिया (बारपेटा) सीट से शेरमन अली अहमद, हाजो-सुअलकुची (एससी) सीट से रोजी अहमद (फुनू दास), गुवाहाटी सेंट्रल से अविजीत मजूमदार, चाबुआ-लाहोवाल (डिब्रूगढ़) से इनुस कुमार कंदापन, मरियानी (जोरहाट) से परेश बोरा, करीमगंज नॉर्थ से परिमल रंजन रॉय और करीमगंज साउथ से अजीज अहमद खान (रानू खान) को उम्मीदवार बनाया गया है।

सीजफायर वार्ता करना चाहते हैं ट्रम्प, ईरान ने रखी शर्त

ईरान ने इजराइल पर 4 मिसाइलें दागीं, 300 से ज्यादा लोग घायल, कई गंभीर

पंचकूला ऑब्जर्वर

तेहरान। डोनाल्ड ट्रम्प की टीम ईरान के साथ सीजफायर पर बात करना चाहते हैं। इस काम में ट्रम्प के सलाहकार जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ भी लगे हुए हैं। यह जानकारी एक्सियोस न्यूज ने दी है। हालांकि ईरान ने बातचीत के लिए शर्त रखी है कि पहले जंग रोकी जाए और उसे हुए नुकसान का मुआवजा दिया जाए।

ईरान का यह भी कहना है कि भविष्य में उस पर फिर से हमला नहीं होगा, इसकी पक्की गारंटी मिले।दूसरी तरफ, ट्रम्प ने साफ कर दिया है कि वे अभी ईरान की सभी शर्तें मानने के लिए तैयार नहीं हैं, खासकर मुआवजे की मांग को। अमेरिका और ईरान के बीच सीधी बातचीत फिलहाल नहीं हो रही है। लेकिन मिस्र, कतर और ब्रिटेन जैसे देश मध्यस्थ का रोल निभा रहे हैं।

इससे पहले ईरान ने इजराइल पर रविवार सुबह से 4 बैलिस्टिक

मिसाइलें दागीं। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, इन हमलों में 300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इजराइली विदेश मंत्रालय और स्वास्थ्य सेवाओं के अनुसार, घायलों में बच्चे भी शामिल हैं।

इससे पहले ईरान ने शनिवार रात भी इजराइल के डिमोना और अराद शहरों पर हमला किया था। यहां इजराइल का बड़ा न्यूक्लियर प्लांट है। ईरान की ओर से यह हमले ट्रम्प की धमकी के बाद बढ़े हैं। दरअसल, ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर धमकी देते हुए लिखा-अगर 48 घंटे के भीतर होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह नहीं खोला गया, तो अमेरिका ईरान के पावर प्लांट पर हमला करेगा। शुरुआत सबसे बड़े प्लांट से होगी।

बता दें कि ईरान जवाबी कार्रवाई में लगातार बैलिस्टिक मिसाइलें इजरायल पर दाग रहा है। राजधानी तेल अवीव ही नहीं, अब उसके निशाने पर इजरायल का प्रमुख परमाणु केंद्र माना जाने वाला डिमोना भी है। शनिवार को ईरानी मिसाइलें दो शहरों, डिमोना और अराद पर कहर बनकर टूटीं, तो रविवार सुबह निशाने पर राजधानी तेल अवीव और यरूशलम रहे। स्टेट मीडिया के अनुसार, एक-दो नहीं, बल्कि सुबह 4 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गईं।

द टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, इन हमलों में 300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इजरायली विदेश मंत्रालय और स्वास्थ्य सेवाओं के अनुसार, घायलों में बच्चे भी शामिल हैं।

जानकारी स्वास्थ्य सेवाएं देखने वाली मागेन डेविड एडोम के हवाले से दी गई। जिसने बताया कि क्लस्टर बमों के गिरने से लोग जख्मी हो गए।

डिमोना-अराद में 100 से ज्यादा के घायल होने की खबर है। वहीं, इजरायल के आर्मी रेडियो के अनुसार, डिमोना-अराद हमलों में 150 घायल लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। ये सभी लोग इजरायल में हुए हमलों के बाद इलाज के लिए सोरोका अस्पताल पहुंचे। अराद में 84 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया, जिनमें से 10 की हालत गंभीर है।

ईरान बोला- BRICS देश हमला रोकने में रोल निभाएं

ईरान के राष्ट्रपति मसूज पजशकियान ने शनिवार को पीएम मोदी से फोन पर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि BRICS को ईरान पर हो रहे हमले रोकने में भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि BRICS को बिना किसी दबाव के, अपने दम पर काम करना चाहिए और इस मामले में आगे आना चाहिए। ईरान के राष्ट्रपति ने यह भी सुझाव दिया कि मिडिल ईस्ट के देशों को मिलकर एक नया सुरक्षा सिस्टम बनाना चाहिए। इससे इलाके में शांति और स्थिरता बनी रहेगी और बाहर के देशों का दखल कम होगा।

कतर हेलिकॉप्टर क्रैश में 6 की मौत, एक लापता

दोहा, 22 मार्च। कतर में एक हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। रविवार को देश के गृह मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि हादसे में मारे गए 6 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि एक अब भी लापता है। मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में कहा कि देश के समुद्री इलाके में चलाए जा रहे सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान हेलिकॉप्टर में सवार 7 में से 6 लोगों का पता चल गया है। विभाग ने मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पीड़ित परिजनों को सांत्वना दी है। नोट के मुताबिक, विशेष टीमें अब भी लापता व्यक्ति की तलाश में जुटी हुई हैं। इससे पहले रक्षा मंत्रालय के अधिकारी ने बताया था कि यह हेलिकॉप्टर तकनीकी खराबी के कारण क्रैश हुआ था। हालांकि तब चालक दल और उसमें सवार लोगों को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई थी। बस इतना बताया गया कि कतर का हेलिकॉप्टर नियमित ड्यूटी के दौरान तकनीकी खराबी के बाद क्षेत्रीय समुद्री इलाके में क्रैश हो गया। सैन्य संघर्ष के 23वें दिन हमलों और जवाबी कार्रवाई का दौर जारी है। इस बीच खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) ने ईरान के उन आरोपों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि खाड़ी देश सैन्य कार्रवाइयों में शामिल हैं। जीसीसी महासचिव जासिम मोहम्मद अलबुदैइवी ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताया। इतना ही नहीं अलबुदैइवी ने ईरान पर आरोप लगाया कि वह खाड़ी देशों पर लगातार खुलेआम हमले कर रहा है, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर और तेल प्रतिष्ठानों को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। यह बयान ऐसे समय आया है जब खाड़ी देशों और ईरान के बीच तनाव तेजी से बढ़ रहा है। युद्ध शुरू होने के बाद से ईरान पर आरोप है कि वह खाड़ी क्षेत्र में ऊर्जा और नागरिक ढांचे पर हमले कर रहा है, जबकि ईरान का कहना है कि वह सिर्फ अमेरिका के हितों को टारगेट कर रहा है। ईरान ने कुछ खाड़ी देशों पर आरोप लगाया है कि उन्होंने अमेरिका को अपने क्षेत्रों का इस्तेमाल करने की खुली छूट दी। रविवार को ही बहरीन ने बताया कि उसके रक्षा बल ने युद्ध शुरू होने के बाद से 145 मिसाइलों और 246 ड्रोन को इंटरसेप्ट करके नष्ट किया है।

माता मनसा देवी मंदिर में नि:शुल्क कैंसर जांच शिविर, सैकड़ों श्रद्धालुओं ने लिया लाभ

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर माता मनसा देवी सेवक दल धर्मार्थ एवं भंडारा कमेटी और फ्री डिस्पेंसरी स्टाफ की ओर से श्री माता मनसा देवी मंदिर परिसर में नि:शुल्क स्तन एवं प्रोस्टेट कैंसर जांच एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर रविवार को प्रातः 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और मरीजों ने भाग लेकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

शिविर के दौरान कुल 65 पीएसए टेस्ट, 40 मैमोग्राफी टेस्ट, 60 जनरल मेडिसिन, 20 स्त्री रोग, 20 यूरोलॉजी, 30 डेंटल और 20 नेत्र रोग से संबंधित

मरीजों की जांच की गई। साथ ही लोगों को कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूक भी किया गया, ताकि समय रहते जांच और उपचार संभव हो सके।

शिविर का उद्घाटन माता मनसा देवी पूजास्थल बोर्ड की सीईओ निशा यादव ने किया। इस दौरान विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इनमें स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. नीलम अग्रवाल, ऑन्कोलॉजी एवं रोबोटिक सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. राजनदीप सिंह, जनरल सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. गौरव शर्मा, यूरोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. एन.बी., फिजिशियन डॉ. आर.के. गर्ग, डेंटल सर्जन डॉ. दुर्गेश सिंघल, साइंटिफिक ऑफिसर डीसी ठाकुर, ऑप्टोमेट्रिस्ट राज कुमार और फार्मासिस्ट अमरजीत शामिल रहे।

कमेटी के संरक्षक सतपाल गर्ग, प्रधान किशोरी लाल, महासचिव सिद्धार्थ गुप्ता एवं उपप्रधान संजय गुप्ता ने बताया कि नवरात्रि का पर्व सेवा, श्रद्धा और समर्पण का प्रतीक है। उनकी संस्था का उद्देश्य अधिक से अधिक श्रद्धालुओं तक स्वास्थ्य सेवाएं और भंडारे का लाभ पहुंचाना है। महासचिव सिद्धार्थ गुप्ता ने कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से समाज में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा रही है, ताकि लोग समय पर जांच कराकर गंभीर बीमारियों से बच सकें। उन्होंने बताया कि कमेटी हर वर्ष इसी प्रकार के भव्य और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए प्रतिबद्ध है। शिविर के सफल आयोजन के बाद श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने कमेटी के प्रयासों की सराहना की।

चैत्र नवरात्र मेले के चौथे दिन तीनों मंदिरों में आया 31 लाख 24 हजार 823 रुपये चढ़ावा

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला, 22 मार्च। चैत्र नवरात्र मेले के चौथे दिन आज श्री माता मनसा देवी मंदिर , श्री काली माता मंदिर कालका व चंडी माता मंदिर में श्रद्धालुओं ने कुल 31 लाख 24 हजार 823 रूपये की राशि दान स्वरूप अर्पित की।माता मनसा देवी मंदिर में 75,000 श्रद्धालुओं, काली माता मंदिर कालका में 24,000 और चंडी माता मंदिर में 2500 श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन किए।

उपायुक्त एवं श्री माता मनसा देवी पूजा स्थल बोर्ड के मुख्य प्रशासक श्री सतपाल शर्मा ने बताया की श्री माता मनसा देवी मंदिर में 25 लाख 41 ह?ार 646 रुपये, श्री काली माता मंदिर कालका में 5 लाख 47 हजार 897

रुपये और चंडी माता मंदिर में 35 हजार 280 रुपये दान स्वरूप अर्पित किए गए।

इसके अलावा श्री माता मनसा देवी मंदिर में चांदी के 41 नग , काली माता मंदिर कालका में चाँदी के 4 नग और चंडी माता मंदिर में चाँदी का एक नग भी दान स्वरूप अर्पित की गये।

पंचकूला में श्री हनुमान जन्मोत्सव की तैयारियां शुरू

पंचकूला। श्री मेहंदीपुर बालाजी महाराज ट्रस्ट पंचकूला के तत्वाधान में आगामी श्री हनुमान जन्मोत्सव को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस अवसर पर 2 अप्रैल को पंचकूला की अनाज मंडी में भव्य एवं विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष दिनेश बंसल ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम को लेकर प्रमुख अतिथियों को आमंत्रित किया जा रहा है।

इसी कड़ी में मुख्यातिथि अमित जिंदल, राकेश बिट्टू गर्ग, भाजपा की वरिष्ठ नेत्री बंतो कटारिया और भाजपा जिला अध्यक्ष अजय मित्तल को निमंत्रण पत्र सौंपे गए हैं।इस संबंध में आयोजित बैठक में अध्यक्ष दिनेश बंसल के साथ सीए नरेश सिंगला, दिनेश गुप्ता, नरेश

मित्तल और सतीश मंगला सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

दिनेश बंसल ने बताया कि भजन संध्या में हरियाणा के प्रसिद्ध भजन गायक सुशील ठाकुर अपनी हरियाणवी शैली में बालाजी महाराज के भजन प्रस्तुत करेंगे। इसके अलावा ट्राई सिटी में पहली बार डांस प्लस से प्रसिद्ध 'क्रेशन मार्क क्रू' टीम द्वारा धार्मिक डांस प्रस्तुति भी आकर्षण का केंद्र होगी। कार्यक्रम की विशेष बात यह रहेगी कि बालाजी महाराज को 201 किलो का विशाल लड्डू भोग के रूप में अर्पित किया जाएगा, साथ ही 56 भोग भी लगाए जाएंगे। इस अवसर पर श्री मेहंदीपुर बालाजी महाराज का भव्य दरबार सजाया जाएगा। भजन संध्या के दौरान श्रद्धालुओं को लड्डू और फलों का विशेष प्रसाद वितरित किया जाएगा। आयोजकों ने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

तेरी जय-जयकार है, ओ शेरावाली मां, पर जमकर नाचे श्रद्धालु

- भक्ति रस में डूबा सेक्टर-21, प्राचीन शिव मंदिर में सजी भव्य माता की चौकी

पंचकूला। सेक्टर-21 स्थित प्राचीन शिव मंदिर में श्रद्धा, आस्था और भक्ति के साथ माता की भव्य चौकी का आयोजन संपन्न हुआ। मंदिर परिसर शाम होते ही भक्ति भाव से सराबोर हो उठा।

शाम 6 बजे विधिवत ज्योति प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। पंचकूला भाजपा जिला प्रधान अजय मित्तल और उनकी पत्नी बिंदु मित्तल ने ज्योति प्रचंड की। कार्यक्रम का नेतृत्व सीएम विंडो के एमिनेंट पर्सन विपिन लिड्डू ने किया। प्रसिद्ध भजन गायक देशबंधु ने अपनी मधुर आवाज में

÷तेरी जय-जयकार है, ओ शेरावाली मां÷, ÷मेरी नैया पार लगा देना, मां शेरावाली÷ और ÷चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है÷ जैसी भेंटें प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भक्ति रस में डुबो दिया। माता की भेंटों पर श्रद्धालु झूमते और जयकारे लगाते नजर आए। विपिन लिड्डू ने बताया कि मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों से सजाया गया था, जिससे माहौल और भी भक्तिमय बन गया। शहर के गणमान्य नागरिकों सहित सेक्टर-4 और 21 के निवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अंत में आरती और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर भाजपा के राकेश गोयल, अजय कुंडलस, टीआर गुप्ता, निर्मल चंद धीमान, रंजीत सिंह, अलका जोशी, रेणुका शर्मा, वंदना गर्ग, निशा सैनी, ध्यानचंद अवार्डी ओम प्रकाश, सुभाष बंसल, विनय अरोड़ा, दिलबाग सिंह, अशोक नारंग, संजीव दुग्गल, डॉ. पुनीत रावल, विजय पसरीजा, दीपक कुमार, संजय शर्मा, जयपाल गर्ग सहित अन्य उपस्थित रहे।

सीनियर सिटीजन काउंसिल चुनाव : मल्होत्रा-हितैषी समर्थित पैनल की शानदार जीत

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। पंचकूला सीनियर सिटीजन काउंसिल के चुनाव रविवार को शांतिपूर्ण माहौल में सफलतापूर्वक संपन्न हुए। इस दौरान मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। कुल 300 मतदाताओं में से लगभग 282 लोगों ने मतदान कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई, जो काउंसिल के प्रति उनके विश्वास और जागरूकता को दर्शाता है।

इस चुनाव में आरपी मल्होत्रा और भारत हितैषी के समर्थित पैनल ने शानदार जीत हासिल की। जीत के बाद समर्थकों और सदस्यों ने दोनों नेताओं को बधाई देते हुए एकता को सफलता की कुंजी बताया। प्रधान पद के लिए अशोक गुप्ता ने 165 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की। उपप्रधान पद पर एसएल मित्तल को 158 मत

मिले, जबकि महासचिव पद के लिए एक मेहता ने 147 मत हासिल कर जीत पाई। इसके अलावा सेक्टर प्रतिनिधि पद पर एचसी गेरा ने 168 मतों के साथ विजय प्राप्त की और फाइनेंस सेक्रेट्री पद पर जयपाल गर्ग 158 मतों के साथ विजयी रहे।

चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद आरपी मल्होत्रा ने कहा कि काउंसिल में लंबे समय से लंबित पड़े कार्यों को अब प्राथमिकता के आधार पर तेजी से पूरा किया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि नई टीम वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करेगी। वहीं भारत हितैषी ने सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चुनाव में मिली इस जीत को जिम्मेदारी के रूप में लिया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि काउंसिल की नई टीम वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव प्रयास करेगी और उनकी सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाएगी।

समारोह सोनम वांगचुक 6 महीने बाद लेह पहुंचे, स्वागत को उमड़ी हजारों लोगों की भीड़

सोनम वांगचुक बोले- हम उम्मीद के साथ आगे बढ़ रहे हैं

पंचकूला ऑब्जर्वर

लेह। लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक रविवार को 6 महीने (करीब 170 दिन) बाद लेह पहुंचे। केंद्र ने 14 मार्च को वांगचुक पर लगा नेशनल सिक्युरिटी एक्ट हटाया था। इसके बाद उन्हें जोधपुर जेल से रिहा किया गया था।

लेह में उनके लिए स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें वांगचुक के सैकड़ों समर्थक पहुंचे। वांगचुक ने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा- जिस मकसद के लिए हम काम कर रहे हैं, उसके लिए एक नया सूरज उगेगा। हम उम्मीद के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

वांगचुक ने कहा कि 170 दिनों के बाद इन पहाड़ों में आकर और लोगों से मिलकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। हमें उम्मीद है कि सभी तरफ से ऐसा ही माहौल बनेगा और मैं

पूरे देश के उन लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहूंगा, जिन्होंने इस संघर्ष में हमारा साथ दिया। मैं लोगों से मिलने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

हिरासत का समय आत्ममंथन का अवसर था : वांगचुक ने जेल के समय को कठिन अनुभव बताते हुए कहा कि हिरासत का समय आत्ममंथन का अवसर था। वहीं, इस दौरान मेरी पत्नी गीतांजली को कानूनी लड़ाई में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

दरअसल, केंद्र ने 14 मार्च को लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता और इंजीनियर सोनम वांगचुक पर लगा नेशनल सिक्युरिटी एक्ट हटाया था। पिछले साल लद्दाख में उनके अनशन के दौरान 24 सितंबर 2025 को लेह में हिंसा हुई थी।

दो दिन बाद 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत वांगचुक को हिरासत में लिया था। इसके बाद उन्हें फौरन जोधपुर शिफ्ट कर दिया था। 170 दिन से वे जोधपुर जेल में थे।

ह्न सरकार को ऐसे लोगों को हिरासत में लेने का अधिकार देता है, जिनसे देश की सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था को खतरा हो। इसके तहत किसी व्यक्ति को अधिकतम 12 महीने तक नजरबंद रखा जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने जलालाबाद में करोड़ों के विकास प्रोजेक्ट्स की शुरुआत की

पंजाब में विश्व स्तरीय सड़कों का नेटवर्क तैयार कर रही 'आप' सरकार: सीएम भगवंत मान

- 300 किमी नई सड़कों और 350 किमी नवीनीकरण कार्य का जलालाबाद में शिलान्यास

अर्थ प्रकाश संवाददाता

फाजिल्का, 22 मार्च। पंजाब में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए आम आदमी पार्टी सरकार ने सड़कों के विकास को तेज़ कर दिया है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने फाजिल्का जिले के जलालाबाद में 300 किलोमीटर नई सड़कों के निर्माण और 350 किलोमीटर सड़कों के नवीनीकरण कार्य का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना राज्य में विकसित किए जा रहे 43,000 किलोमीटर लंबे सड़क नेटवर्क का हिस्सा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब सड़कों के निर्माण में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा और यदि कोई सड़क खराब पाई जाती है तो उसकी जिम्मेदारी संबंधित निर्माण एजेंसी की तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि पहले भ्रष्टाचार के कारण सड़कें बनने के तुरंत बाद टूट जाती थीं, लेकिन अब पारदर्शी व्यवस्था के चलते ऐसा नहीं होगा। सरकार सड़कों के साथ-साथ पांच वर्षों तक उनके रख-रखाव की भी जिम्मेदारी सुनिश्चित कर रही है। सीएम मान ने राज्य में बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए एक अहम घोषणा करते हुए कहा कि पूरे पंजाब में बिजली के खंभे हटाकर तारों को भूमिगत किया जाएगा। इसके लिए जल्द ही पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पिछले चार वर्षों में उनकी सरकार ने पारंपरिक पार्टियों के 70 वर्षों से अधिक काम किया है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं के आधार पर वर्ष 2027 में 'आप' सरकार दोबारा सत्ता में आएगी और 100 से अधिक सीटें जीतेगी। मुख्यमंत्री ने 'मांवा-धीयां सत्कार योजना' का जिक्र करते हुए बताया कि इसके तहत महिलाओं को हर महीने आर्थिक सहायता दी जाएगी—सामान्य वर्ग की महिलाओं को 1,000 रुपये और अनुसूचित जाति की महिलाओं को 1,500 रुपये। उन्होंने कहा कि इस योजना से लगभग 97 प्रतिशत महिलाओं को लाभ मिलेगा और इसके लिए 9,300 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। योजना के लिए पंजीकरण 13 अप्रैल से शुरू होगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने 43,000 किलोमीटर संपर्क सड़कों के नवीनीकरण और उन्नयन के लिए व्यापक परियोजना शुरू की है। साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों में डॉक्टरों और शिक्षकों की नियुक्ति सुनिश्चित करने के लिए कम से कम दो वर्ष सेवा अनिवार्य की गई है।

सीएम मान ने कहा कि सरकार ने 90 प्रतिशत घरों को मुफ्त बिजली, 65,000 से अधिक युवाओं को बिना रिश्वत सरकारी नौकरियां और टोल प्लाजाओं को बंद कर रोजाना करीब 70 लाख रुपये की बचत जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि नहरों के माध्यम से दूर-दराज के इलाकों तक पानी पहुंचाया गया है और भूमिगत जल स्तर में भी सुधार हुआ है। उन्होंने दावा किया कि भूमिगत जल दोहन की दर में उल्लेखनीय कमी आई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य पंजाब को हर क्षेत्र में अग्रणी बनाना है और आने वाले समय में विकास कार्यों को और तेज किया जाएगा।

पिछली सरकारों ने भ्रष्टाचार और माफिया को बढ़ावा दिया

विपक्ष पर निशाना साधते हुए सीएम मान ने कहा कि पिछली सरकारों ने भ्रष्टाचार और माफिया को बढ़ावा दिया, जबकि मौजूदा सरकार ईमानदारी से काम कर रही है। अकाली दल और कांग्रेस पर हमला बोलते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि इन दलों के पास जनता के लिए कोई ठोस एजेंडा नहीं है।

सरकार ने बैसाखी पर 'जगत ज्योत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार एक्ट' में संशोधन के लिए विशेष सत्र बुलाया: स्पीकर संधवां

पंचकूला ऑब्जर्वर

समाना, 22 मार्च। पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने आज विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ समाना टावर मोर्चा की संगत से मुलाकात की। इस अवसर पर बाबा बंदा सिंह बहादुर चौक में संगत के विशाल इकत्रता में संबोधित करते हुए उन्होंने घोषणा की कि पंजाब सरकार, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में, 'जगत ज्योत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार एक्ट-2008' में संशोधन कर सख्त कानून लाने के लिए 13 अप्रैल को बुलाए गए विधानसभा के विशेष सत्र में पारित कानून का मसौदा 14 अप्रैल को समाना मोर्चे में लेकर पहुंचेगी।

उन्होंने बताया कि वह स्वयं यह मसौदा अक्टूबर 2024 से टावर पर बैठे भाई गुरजीत सिंह खालसा को सौंपेंगे। इस दौरान स्पीकर कुलतार सिंह संधवां के साथ आम आदमी पार्टी के राज्य महासचिव एवं मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू, संत समाज की ओर से बाबा भूपिंदर सिंह रामपुर खेड़ा वाले, विधानसभा की सिलेक्ट कमेटी के चेयरमैन डॉ. इंदरबीर सिंह निज्जर, चेतन सिंह जौड़ामाजरा, अजीतपाल सिंह कोहली, गुरलाल घनौर, नरेंद्र कौर भराज, गुरदेव सिंह देव मान और कुलवंत सिंह बाजीगर भी उपस्थित थे।

इससे पहले मोर्चा नेताओं के साथ हुई बैठक में समाना मोर्चा के कोऑर्डिनेटर गुरप्रीत सिंह, अमितोज सिंह मान, पुष्पिंदर सिंह काका, तलविंदर सिंह औलख, अमरजीत सिंह मर्यादा और काका सिंह कोटड़ा शामिल थे। इस दौरान टावर पर बैठे भाई गुरजीत सिंह खालसा ने मोबाइल पर स्पीकर संधवां से बातचीत करते हुए पंजाब सरकार द्वारा 'बेअदबी' विरोधी सख्त कानून बनाने के लिए विशेष सत्र बुलाने पर धन्यवाद किया और कहा कि कानून पारित होने के बाद वह टावर से नीचे उतर आएंगे।

संगत को संबोधित करते हुए स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार इस बात के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है कि प्रस्तावित कानून में सख्त सज़ा, भारी जुर्माना, संपत्ति जब्त करने तथा डिजिटल माध्यम से किए गए अपराधों को भी शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कानून का मसौदा संत समाज और कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श के बाद तैयार किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने हाल ही में संत समाज के साथ बैठक कर सरकार की मंशा से संगत को अवगत कराया है। उन्होंने 'बेअदबी' विरोधी ऐतिहासिक कानून लाने के लिए संत समाज के सहयोग हेतु संत सेवा सिंह रामपुर खेड़ा वालों का धन्यवाद किया। स्पीकर संधवां ने दोहराया कि वर्तमान आम आदमी पार्टी सरकार पिछली सरकारों की तरह कोई झूठा वादा नहीं करती, बल्कि काम करने में विश्वास रखती है।

गैंगस्टरां ते वार का 61वां दिन: पंजाब पुलिस ने 529 स्थानों पर की छापेमारी; 212 गिरफ्तार

- युद्ध नशों के खिलाफ के 386वें दिन 26.6 किलो हेरोइन सहित 105 नशा तस्कर काबू

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 22 मार्च। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत शुरू किए गए निर्णायक 'गैंगस्टरां ते वार' अभियान के 61वें दिन पंजाब पुलिस ने आज प्रदेश भर में गैंगस्टरों के साथियों के पहचाने गए और मैप किए गए 529 स्थानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि 'गैंगस्टरां ते वार' - पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए निर्णायक जंग है, जो 20 जनवरी, 2026 को पुलिस निदेशक महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने शुरू की थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्य भर में विशेष कार्रवाइयां कर रही हैं।

61वें दिन, पुलिस टीमों ने 212 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 4 हथियार बरामद किए, जिससे अभियान की शुरुआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 16,311 हो गई है। इसके अलावा 68 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई है, जबकि 96 व्यक्तियों को जांच और पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। पुलिस टीमों ने कार्रवाई के दौरान 16 फरार अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है। लोग एंटी गैंगस्टर हेल्पलाइन 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में जानकारी दे सकते हैं और अपराध तथा आपराधिक गतिविधियों के बारे में सूचना/जानकारी भी साझा कर सकते हैं।

इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपना अभियान 'युद्ध नशों के खिलाफ' को 386वें दिन भी जारी रखते हुए आज 105 नशा तस्करों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से 26.6 किलोग्राम हेरोइन, 35 किलोग्राम भुक्की, 575 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 13,513 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। इसके साथ ही मात्र 386 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 55,001 हो गई है।

नशा मुक्ति अभियान के हिस्से के रूप में, पंजाब पुलिस ने आज 26 व्यक्तियों को नशा मुक्ति एवं पुनर्वास उपचार करवाने के लिए राजी किया है।

पंजाब पुलिस ने बीएसएफ के साथ संयुक्त ऑपरेशन में सीमा पार से चल रहे तस्करी मॉड्यूल का किया भंडाफोड़

- 24.5 किलो हेरोइन, 21 लाख रुपये की ड्रग मनी और मल्टी-कॉप्टर ड्रोन सहित तीन गिरफ्तार
- गहन तकनीकी जांच के बाद बीएसएफ और पुलिस टीमों ने सीमा पार से संचालित इस नेटवर्क को ध्वस्त करने में हासिल की सफलता: डीजीपी गौरव यादव

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 22 मार्च। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों पर पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए पंजाब पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ संयुक्त ऑपरेशन में पाकिस्तान समर्थित सीमा पार से चल रहे तस्करी मॉड्यूल के तीन मास्टरमाइंड को 24.5 किलो हेरोइन और 21 लाख रुपये की ड्रग मनी के साथ गिरफ्तार कर इस मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने आज यहां साझा की।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान अमृतसर के गांव नूरवाल निवासी जगजीत सिंह उर्फ राणा, अमृतसर के गांव औलख खुर्द निवासी मनप्रीत सिंह उर्फ प्रीत और अमृतसर के गांव धूपसड़ी निवासी रोशन सिंह के रूप में हुई है।

उन्होंने बताया कि हेरोइन और ड्रग मनी बरामद करने के अलावा बीएसएफ और पुलिस टीमों ने एक मल्टी-कॉप्टर ड्रोन भी जब्त किया है, जिसका उपयोग पाकिस्तान स्थित तस्करों द्वारा सीमा पार से खेप पहुंचाने के लिए किया जाता था। इसके अलावा एक एसयूवी महिंद्रा थार सहित दो कारें भी जब्त की गई हैं, जिनका इस्तेमाल नशीले पदार्थों की सप्लाई के लिए किया जाता था।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपियों के पाकिस्तान स्थित हैंडलरों के साथ सीधे संबंध थे। उन्होंने बताया कि गहन तकनीकी जांच के बाद पुलिस टीमों ने इस सीमा पार नेटवर्क को ध्वस्त करने में सफलता हासिल की है। डीजीपी ने कहा कि इस मामले में आगे-पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए एएनटीएफ के पुलिस अधीक्षक (एसपी) गुरप्रीत सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई दो चरणों में की गई थी। पहले चरण में एक मल्टी-कॉप्टर ड्रोन के साथ 12.1 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई थी। इसके बाद ड्रोन के तकनीकी डेटा, अक्षांश-देशांतर (लैटिट्यूड-लॉन्गिट्यूड) और टावर डंप के विस्तृत अध्ययन सहित फोरेंसिक विश्लेषण के बाद मनप्रीत सिंह के घर से 12.4 किलोग्राम हेरोइन की एक और खेप बरामद की गई, जिससे कुल बरामदगी 24.5 किलोग्राम हो गई।

एसपी ने बताया कि आरोपी जगजीत राणा ने हाल ही में ड्रग मनी से महंगे और पॉश इलाकों में संपत्तियां खरीदी थीं और वह कारों का शौकीन था। उन्होंने कहा कि आगे की जांच जारी है और इस मामले में और गिरफ्तारियां तथा बरामदगी होने की संभावना है। इस संबंध में एफआईआर नंबर 43 दिनांक 2 मार्च 2026 को एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(सी) और 23 तथा एयरक्राफ्ट एक्ट की धारा 25, 26 और 29 के तहत थाना एएनटीएफ, एसएएस नगर में मामला दर्ज किया गया है।

रंधावा आत्महत्या मामले में शिअद, भाजपा और कांग्रेस का प्रदर्शन

चंडीगढ़, 22 मार्च। अमृतसर वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के जिला प्रबंधक डॉ. गगनदीप रंधावा की कथित तौर पर आत्महत्या के मामले में पंजाब की राजनीति पूरी तरह गरमा गई है। विपक्ष ने एकजुट होकर मांग की कि सिर्फ मंत्री का इस्तीफा काफी नहीं है, गिरफ्तारी जरूरी है।

यहां रविवार को शिरोमणि अकाली दल, भाजपा और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने एकजुट होकर मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया और आरोपी मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर की गिरफ्तारी की मांग की।

इस विरोध प्रदर्शन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़, अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया और कांग्रेस के प्रताप सिंह बाजवा प्रमुख रूप से शामिल हुए।

नेताओं ने सरकार पर आरोपियों को बचाने का आरोप लगाया। उल्लेखनीय है कि डॉ. रंधावा ने मरने से पहले एक वीडियो के जरिए मृत्यु पूर्व बयान किया था, जो अब इस पूरे मामले का सबसे बड़ा सबूत बन गया है। इस वीडियो में एक बेबस अधिकारी की आंखों में मौत का डर और सत्ता का आतंक साफ दिखाई देता है। आरोप है कि उन्हें मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर के आवास पर बुलाकर निर्वस्त्र किया गया, पिस्तौल के बट से पीटा गया और उन पर झूठे रिश्वत मामले में फंसने का दबाव बनाया गया।

अस्पताल में भी वे इतने डरे हुए थे कि उन्होंने डॉक्टरों से कहा, ÷मेरी जान मत बचाओ, मेरा परिवार खतरे में है। मीडिया से बात करते हुए अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने इस घटना को ÷सरकारी तंत्र की गुंडागर्दी÷ करार दिया।

उन्होंने सवाल उठाया कि जो एफआईआर 21 मार्च की सुबह दर्ज होनी चाहिए थी, उसे दबाव के बाद 22 मार्च को तड़के एक बजे क्यों दर्ज किया गया?

ओटीएस योजना के तहत प्रमुख जिलों से 111.16 करोड़ रुपये वसूल : चीमा

चंडीगढ़, 22 मार्च। पंजाब के वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने रविवार को कहा कि वैट बकाया के लिए एकमुश्त निपटान (ओटीएस) योजना को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। अब तक लगभग 298.39 करोड़ के बकाया से संबंधित 7,845 आवेदन प्राप्त हुए हैं और 111.16 करोड़ की वसूली पहले ही की जा चुकी है। उन्होंने चेतावनी दी कि राहत की यह खिड़की 31 मार्च को बंद हो जाएगी, जिसके बाद सरकार सख्त वसूली मोड में आ जाएगी और कार्रवाई के लिए लगभग 8,000 संपत्तियों की पहचान पहले ही की जा चुकी है।

महिलाओं के स्वास्थ्य और सम्मान के लिए मान सरकार का मजबूत कदम—127.95 करोड़ रुपये सीधे खातों में जारी: डॉ. बलजीत कौर

- 2.89 लाख से अधिक माताओं को मिली आर्थिक सहायता, डॉ. बलजीत कौर ने कहा; घर-घर तक पहुंची मदद
- हर पात्र महिला तक लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास—पंजीकरण अभियान तेज: डॉ. बलजीत कौर का दावा

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 22 मार्च। 'महिलाओं की भलाई और सशक्तिकरण हमारी सरकार की पहली प्राथमिकता है', यह बात सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कही। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं की स्वास्थ्य और भलाई सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक 127.95 करोड़ रुपये की राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डी. बी. टी.) के माध्यम से सीधे महिलाओं के बैंक खातों में जारी की गई है, जिससे महिलाओं को बिना किसी परेशानी के सहायता प्राप्त हुई है।

डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि इस अवधि के दौरान 2.89 लाख से अधिक महिलाओं को इस वित्तीय सहायता पहल का लाभ मिला है। ÷यह सहायता केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि माताओं और नवजात बच्चों के स्वास्थ्य के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच है, उन्होंने कहा। उन्होंने आगे कहा कि इस पहल से हजारों घरों में खुशी, विश्वास और सुरक्षा की भावना पैदा हुई है। इस वित्तीय सहायता पहल के तहत पहले बच्चे के लिए महिलाओं को दो किश्तों (3000+2000 रुपये) के माध्यम से कुल 5000 रुपये की राशि डी.बी.टी.के जरिए सीधे उनके खातों में दी जाती है। इसके अलावा, यदि दूसरा बच्चा लड़की हो, तो महिला लाभार्थी को एकमुश्त 6000 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है, जो बेटी के जन्म को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

साल-दर-साल विवरण साझा करते हुए उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान 38.11 करोड़ रुपये की राशि 76,478 महिलाओं को दी गई। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान यह राशि बढ़कर 63.78 करोड़ रुपये हो गई, जिससे 1,43,418 महिलाओं को लाभ मिला। इसी तरह, वित्तीय वर्ष 2025-26 में (31 जनवरी 2026 तक) 26.06 करोड़ रुपये की राशि 69,110 महिलाओं के खातों में जारी की जा चुकी है।

मंत्री ने बताया कि सरकार द्वारा अधिक से अधिक महिलाओं को इस पहल से जोड़ने के लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान 1.32 लाख से अधिक महिलाओं का रजिस्ट्रेशन किया गया था। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 1.14 लाख से अधिक महिलाओं का रजिस्ट्रेशन किया गया। इसी तरह 2025-26 के दौरान कम से कम 1.14 लाख महिलाओं को रजिस्टर करने का लक्ष्य रखा गया है। जिसके तहत 11 फरवरी 2026 तक 1.05 लाख महिलाओं का रजिस्ट्रेशन हो चुका है और लक्ष्य के अनुसार शेष रजिस्ट्रेशन के लिए प्रयास जारी हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि रजिस्ट्रेशन के साथ-साथ पात्र महिलाओं को नियमों के अनुसार किश्तों में भुगतान लगातार किया जा रहा है और बाकी मामलों में प्रक्रिया पूरी होने के बाद राशि जारी की जाती है। हमारा लक्ष्य स्पष्ट है कि कोई भी पात्र महिला इस सहायता से वंचित न रहे,÷ डॉ. बलजीत कौर ने कहा। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि पंजाब सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए ऐसी जनकल्याणकारी पहलों को और मजबूत करती रहेगी।

मान सरकार द्वारा पुनर्वास और रोजगार में सहायता देने से नशा विरोधी अभियान के महत्वपूर्ण परिणाम सामने आए

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 22 मार्च। पंजाब नशों के खिलाफ अपनी जंग में निरंतर बदलाव का गवाह बन रहा है क्योंकि भगवंत मान सरकार के %युद्ध नशों विरुद्ध अभियान% के कार्यान्वयन को अब पुनर्वास और पुनः एकीकरण तक विस्तारित कर दिया गया है। पंजाब सरकार तस्करी के नेटवर्कों के खिलाफ कार्रवाई के साथ-साथ प्रभावित व्यक्तियों को उपचार और रोजगार के लिए संरचनात्मक सहायता प्रदान करके उन्हें स्थिर और बेहतर जीवन की ओर वापस लाने में मदद कर रही है।

जुगराज सिंह (बदला हुआ नाम) इस बदलाव को दर्शाता है। कॉलेज के वर्षों के दौरान वह अपने साथियों के साथ नशे के प्रभाव में आ गया था, जिसने केवल स्वाद के लिए इसे चखा था लेकिन जल्द ही यह स्वाद निर्भरता में बदल गया। आज उसका सारा ध्यान अपनी पढ़ाई पूरी करने और अपने भविष्य पर केंद्रित है। उसने कहा कि मुझे लगता है कि मैं एक बेहतर इंसान बन गया हूं। युद्ध नशों विरुद्ध के साथ दी जाने वाली पुनर्वास सेवाओं और काउंसलिंग के समर्थन से, जुगराज अपनी जिंदगी फिर से शुरू करके शिक्षा और दीर्घकालिक स्थिरता की ओर अपना ध्यान केंद्रित करने में सक्षम हुआ है।

आनंद कुमार (बदला हुआ नाम) को नशे के सीधे आर्थिक परिणाम भुगतने पड़े। नशा लेने के कारण उसकी दैनिक दिनचर्या और निर्णय लेने की क्षमता काफी कमजोर हो गई, जिससे उसका छोटा सा व्यवसाय भी समाप्त हो गया। उसने याद किया कि एक समय मुझे महसूस हुआ कि मैंने अपना सब कुछ खो दिया है।

पुनर्वास केंद्र में उपचार और निरंतर पारिवारिक सहायता आनंद के जीवन को फिर से शुरू करने में सहायक सिद्ध हुए। पंजाब सरकार द्वारा ठीक हो रहे व्यक्तियों के लिए दिए जा रहे रोजगार के अवसरों ने उसकी वित्तीय स्थिरता के साथ-साथ उसके जीवन का उद्देश्य बहाल करने में मदद की।

नशा लेने के कारण बलविंदर सिंह (बदला हुआ नाम) को लंबे समय से व्यक्तिगत घाटे का सामना करना पड़ रहा था। वह बताता है कि किसी समय वह व्यापारी था और स्थिर पारिवारिक जीवन व्यतीत कर रहा था, लेकिन उसकी नशे की लत ने धीरे-धीरे उसके स्वास्थ्य और सामाजिक स्थिति दोनों पर बहुत बुरा प्रभाव डाला। उसने कहा कि शुरुआत में नशे का उपयोग करना आनंददायक लगता है, लेकिन बाद में यह सब कुछ तबाह कर देता है।

उपचार और पुनर्वास के बाद बलविंदर अब सेहत सुधार के रास्ते पर है, उसका स्वास्थ्य लगातार सुधर रहा है और उसने अपने भविष्य को फिर से बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है।

ये वृत्तांत %आप% सरकार द्वारा अपनाई गई व्यापक पहुंच को दर्शाते हैं, जहां नशों के खिलाफ लड़ाई केवल कार्यान्वयन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें पीड़ितों को समाज की मुख्य धारा से फिर से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास भी शामिल हैं। युद्ध नशों विरुद्ध, पुनर्वास, काउंसलिंग और रोजगार देने में सहायता प्रदान करना पीड़ितों के लिए दीर्घकालिक स्थिर रिकवरी सुनिश्चित करता है।

सभी मामलों में एक समान परिणाम दिखाई दे रहे हैं, नशे की लत को फिर से लगने से रोकने के लिए रोजगार प्रदान करना बहुत सहायक सिद्ध हो रहा है। स्थिर नौकरी न केवल वित्तीय स्वतंत्रता प्रदान करती है बल्कि अनुशासन, गौरव और सामाजिक स्वीकृति को भी बहाल करती है। आनंद ने कहा कि काम मन को केंद्रित रखता है और यह आपको आगे बढ़ने में मदद करता है। भगवंत मान सरकार ने युद्ध नशों विरुद्ध अभियान का विस्तार जारी रखा है, ये रिकवरी कहानियाँ एक गहन संरचनात्मक बदलाव को उजागर करती हैं, जहाँ व्यक्तियों को न केवल नशे से मुक्त किया जाता है बल्कि स्थिरता और उद्देश्य के साथ अपने जीवन को फिर से जीने में भी सहायता की जाती है।

कैथल में लगी हरियाणवी कलाकारों की खुली बोली, एक दूसरे को खरीदा

- सात से दस अप्रैल तक एनआईआईएलएम यूनिवर्सिटी में होगी क्रिकेट लीग

पंचकूला ऑब्जर्वर

कैथल, 22 मार्च। हरियाणा गीत-संगीत इंडस्ट्री के कलाकारों की कैथल में खुली बोली लगी। कोई एक लाख में बिका तो कोई 12 लाख प्वाइंट्स में। खरीदने वाले भी कलाकार थे और बिकने वाले भी कलाकार। अंबाला रोड स्थित हारट्रोन एडवांस्ट स्किल सेंटर में कलाकारों की यह खुली नीलामी रखी गई थी। दरअसल हरियाणवी कलाकारों की यह बिकवाली आईपीएल की दर्ज पर होने वाले कलाकार क्रिकेट लीग यानी केसीएल के लिए हुई। सात अप्रैल से दस अप्रैल तक कैथल की एनआईआईएलएम यूनिवर्सिटी में यह क्रिकेट लीग होने जा रही है। इसके लिए चार टीमें होंगी, जिनमें खिलाड़ियों के रूप में कलाकारों का चयन बोली के जरिए किया गया। टीमों के नाम यंग योद्धा, सुरीले सूरमा, मस्त कलंदर और वीर वॉरियर्स रखे गए हैं। यंग योद्धा के कप्तान मशहूर गायक सुरेंद्र रोमियो हैं तो सुरीले सूरमा के कप्तान अमित ढुल। मस्त कलंदर टीम की कप्तानी मनजीत पांचाल के कंधों पर है तो वीर वॉरियर्स की कमाल यूके हरियाणवी संभाल रहे हैं। इन चारों कप्तानों ने अपनी-अपनी टीम के लिए खिलाड़ियों की बोली लगाई। प्रत्येक टीम के लिए 13-13 खिलाड़ियों का चयन ड्रा के माध्यम से बोली लगा कर किया गया

तरुण जाट सबसे महंगे में बिके: बोली में शामिल सभी टीमों के कप्तानों को 30-30 लाख प्वाइंट्स दिए गए थे। इनकी प्वाइंट्स में उन्हें पूरी टीम तैयार करनी थी। इस बोली में कलाकार तरुण जाट सबसे महंगे बिके। उन्हें सुरीले सूरमा के कप्तान अमित ढुल ने 12 लाख प्वाइंट्स में खरीदा। मजेदार पहलू यह है कि इस केसीएल में यंग योद्धा के कप्तान सुरेंद्र रोमियो और उनके बेटे आशु एक ही टीम में खेलेंगे। सुरेंद्र ने दो लाख 70 हजार प्वाइंट्स में आशु को अपनी टीम में शामिल किया।

केसीएल का मकसद सिर्फ मेलजोल: केसीएल के संस्थापक अमित ढुल, अजीत घणघस, डायरेक्टर डा. बलविंद्र ढुल व कलाकारों ने बोली प्रक्रियाा के बाद पत्रकारों से बातचीत में बताया कि इस क्रिकेट का मकसद हरियाणवी कलाकारों में आपसी मेलजोल को बढ़ावा देना है। इसी अवधारणा के साथ लीग की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि कलाकार साल भर अपने काम में व्यस्त रहते हैं। एक-दूसरे से मिलना नहीं हो पाता। एक ही इंडस्ट्री में एक जैसा काम करने के बावजूद गलतफहमियां भी पैदा हो जाती हैं। कलाकारों में आपसी सौहार्द और मेलजोल बना रहे, इसी उद्देश्य से क्रिकेट लीग बनाया गया है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में 'दिशा' कार्यशाला से न्याय तक पहुंच पर हुआ व्यापक संवाद

टेली-लॉ और न्याय बंधु कार्यक्रम से मजबूत हो रही न्यायिक पहुंचः सीएम

- केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा- गरीब और वंचित वर्गों को सहज न्याय मिले
- प्रो-बोनो के तहत 10 हजार 263 वकीलों ने करवाया अपना पंजीकरण

पंचकूला ऑब्जर्वर

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी कुरुक्षेत्र में दिशा की टेली लॉ पर आधारित क्षेत्रीय कार्यक्रम-सह-कार्यशाला के दौरान उपस्थित जन से संवाद करते हुए। साथ में हैं केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल। (22.03.2026)

कुरुक्षेत्र, 22 मार्च। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'डिजिटल इंडिया' और 'विकसित भारत' का जो विजन दिया है, उसमें समावेशी विकास और सुशासन की स्पष्ट झलक दिखाई देती है। हरियाणा सरकार इस विजन के साथ पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। सरकार मानती हैं कि जब तक समाज का हर वर्ग अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और न्याय प्राप्ति के प्रति आश्वस्त नहीं होगा, तब तक वास्तविक विकास संभव नहीं है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी रविवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में क्षेत्रीय दिशा कार्यशाला में शिरकत कर रहे थे। कार्यक्रम में केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल, हरियाणा के कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, न्याय विभाग के सेक्रेटरी श्री नीरज वर्मा, ज्वाइंट सेक्रेटरी श्री सुरेश कुमार भी मौजूद थे। कानून एवं न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग की तरफ से दिशा (डिजाइनिंग इनोवेटिव सॉल्यूशंस फॉर होलिस्टिक एक्सेस टू जस्टिस) कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इसमें अलग अलग विश्वविद्यालयों से लॉ संकाय के स्टूडेंट्स और वकील सहित प्रबुद्धजन भी शामिल हुए।

इस अवसर पर दिशा जागरूकता वैन, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के प्रथागत कानूनों पर ई-पुस्तकों का विमोचन तथा दूरदर्शन की डाक्यूमेंटरी का शुभारंभ भी किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारे संविधान की प्रस्तावना हमें सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय का वचन देती है। अनुच्छेद 14, 21 और विशेष रूप से अनुच्छेद 39 के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया है कि हर नागरिक को समान न्याय और निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त हो। इसी दिशा में, भारत सरकार के न्याय विभाग द्वारा लागू की गई योजना एक महत्वपूर्ण पहल है और इसके लिए 250 करोड़ रुपये का वित्तीय प्रावधान किया गया है। ताकि सभी के लिए न्याय तक पहुंच सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छ्व्रद्बह्यद्ध एक नागरिक केंद्रित और तकनीक संचालित पहल है। इसके तहत तीन प्रमुख कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, टेली-लॉः रीचिंग द अनरीच्ड, न्याय बंधु और विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम। ये तीनों कार्यक्रम मिलकर न्याय व्यवस्था को अधिक सुलभ, पारदर्शी और प्रभावी बना रहे हैं। टेली-लॉ कार्यक्रम दिशा योजना का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्तंभ है। आज के डिजिटल युग में तकनीक का उपयोग कर दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को भी विधिक सलाह उपलब्ध कराई जा रही है। देशभर में लगभग 2 लाख 50 हजार कॉमन सर्विस सेंटर का एक विशाल नेटवर्क स्थापित किया गया है।

गरीब को भी सहज सुलभ न्याय मिलेः मेघवाल

कार्यशाला को संबोधित करते हुए केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशानुसार जागरूकता के लिए दिशा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत प्रयास यहीं है कि गरीब को भी सहज सुलभ न्याय मिले। इस प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए टेली-लॉः रीचिंग द अनरीच्ड, न्याय बंधु और विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम शुरु किए गए है। देश के संविधान के अनुसार सबको न्याय प्राप्त करने का हक है और इस कार्यशाला का भी यही उद्देश्य है, उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि हर नागरिक तक न्याय पहुंचे। उन्होंने कहा कि टेली-लॉ, न्याय बंधु तथा कानूनी साक्षरता कार्यक्रम महत्वपूर्ण है। केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि संविधान में कहीं गई सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक न्याय को सच साबित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को राजनीति में भी 33त्न प्रतिशत का आरक्षण दिया है। कार्यशाला में अनेक अधिवक्ताओं, प्रबुद्धजनों ने अपने विचार सांझा किए, जिस पर भी केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने भी अपने विचार रखे।

तीन आपराधिक कानूनों को हरियाणा ने किया लागू

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा देश का अग्रणी राज्य है, जिसने इतने कम समय में तीन नये कानूनों को सफलतापूर्वक लागू किया है। इन कानूनों को लागू करने में आधुनिक तकनीक का भी प्रयोग किया है। ई-साक्ष्य और ई-समन ऐप सफलतापूर्वक लागू किये हैं। सभी जांच अधिकारियों को ऐप पर ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग अपलोड करने का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। उन्होंने कहा कि ऑडियो-वीडियो इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से पुलिस थानों, फोरेंसिक प्रयोगशालाओं, न्यायालय कक्षों, कारागारों और बैंकों में 2 हजार 145 वीडियो कान्फ्रेंसिंग कक्ष स्थापित किये हैं। लगभग 46.52 प्रतिशत पुलिसकर्मी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालतों में पेश हो रहे हैं। हरियाणा में नये आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन के बाद दर्ज आपराधिक मामलों में दोष सिद्धि दर 82.6 प्रतिशत हो गई है।

आने वाले समय में पांच सौ से अधिक समर्थ किशोरी केंद्र खोले लाएंगेः यशवीर आर्य

पंचकूला ऑब्जर्वर

करनाल, 22 मार्च। सेवा भारती के प्रांत प्रमुख यशदेव आर्य ने कहा है कि सेवा भारती देश भर में हर आयाम का कार्य कर रहा है। हरियाणा में आने वाले दिनों में पांच सौ से अधिक समर्थ किशोरी केंद्र खोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि हिसार और पंचकूला में बच्चों के लिए छात्रावास खोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में लगभग दस छात्रावास हो जाएंगे। सोनीपत पंचकूला और रोहतक बन जाएंगे। वह आज पत्रकारों से बात कर रहे थे।

आज वह सेवा भारती के करनाल स्थित प्रांत कार्यालय पहुंचे। यहा पर आज प्रदेश भर में स्थित छात्रावासों में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में भाग लेने के लिए प्रदेश भर से बच्चे अपने अभिभावकों के साथ पहुंचे। इस अवसर पर छात्रावास प्रमुख श्याम बधवा ने बताया कि उन्होंने बताया कि सेवा भारती द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए प्रदेश में सात स्थानों पर आवासीय छात्रावास चलाए जा रहे हैं। इनमें करनाल गुरुग्राम,फरीदावाद, भिवानी, हिसार पानीपत में आवासीय छात्रावास हैं। पानीपत में छात्राओं के लिए छात्रावास हैं।

सोनीपत में भी बनाया जा रहा है। करनाल के सेवा भारती परिसर में हुई परीक्षा में 182 बच्चों ने भाग लिया। इसमें से 130 बचचों ने कक्षा छठवीं के लिए तथा कक्षा सातवी के लिए 52 बच्चों ने परीक्षा में भाग लिया। इन बच्चों का चयन उनकी आर्थिक स्थिति तथा परीक्षा में अर्जित अंक के आधार पर दिया जाएगा। इनमें से 90 बच्चों का चयन किया जाएगा। इस अवसर पर संगठन मंत्री जितेंद्र जी, श्याम बधवा प्रदेश कोषाध्यक्ष सुरेंद्र गोंयल, प्रदेश उपाध्यक्ष रोशन लाल गुप्ता, सतीश कुकरेजा, प्रीति कुकरेजा,महिपाल जी, राजेंद्र जी, हिमांयुख् प्रवेश अग्रवाल, जगदीश छावड़ा, दीपक काम्बोज श्रुति काम्बोज, आदि उपस्थित थे।

माता प्रेम कौर कल्याण को नम आंखों से विदाई

कुटेल फार्म हाउस में ब्रह्मभोज, शांति पाठ और रस्म पगड़ी का आयोजन

पंचकूला ऑब्जर्वर

घरौंडा, 22 मार्च। कुटेल स्थित कल्याण फार्म हाउस में रविवार को हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण की माता प्रेम कौर कल्याण की रस्म क्रिया श्रद्धा और सादगी के साथ संपन्न हुई। कार्यक्रम में प्रदेश और देश के कई बड़े राजनीतिक, सामाजिक व धार्मिक हस्तियों ने पहुंचकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान परिवारजनों के साथ बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे और सभी ने चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर श्रद्धा व्यक्त की।

रविवार को रस्म क्रिया में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, विधायक जगमोहन आनंद, विधायक योगेंद्र राणा, विधायक भगवानदास कबीरपंथी, विधायक रामकुमार कश्यप, पूर्व विधानसभा स्पीकर कुलदीप शर्मा, मंत्री कंवर पाल गुर्जर और पूर्व मंत्री गीता भुक्कल सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए। सभी ने माता प्रेम कौर कल्याण के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान सुबह 11 बजे ब्रह्मभोज शुरू किया गया। इसके बाद दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक शांति पाठ और रस्म पगड़ी का आयोजन किया गया। पूरे कार्यक्रम में अनुशासन और सादगी का माहौल देखने को मिला, जहां लोगों ने शांतिपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित की। माता प्रेम कौर कल्याण का 13 मार्च को बीमारी के चलते निधन हो गया था। 14 मार्च को कुटेल गांव की शिवपुरी में उनका अंतिम संस्कार किया गया। इसके बाद 16 मार्च को हरिद्वार में परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में विधि-विधान के साथ अस्थियों का विसर्जन किया गया।

सीएम बोले- त्याग और सादगी का जीवन

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि माता प्रेम कौर कल्याण का जीवन त्याग, तपस्या और सादगी से भरा हुआ था। उन्होंने अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दिए और हमेशा उनकी उन्नति की कामना की। उन्होंने कहा कि हर मां का सपना होता है कि उसका बेटा ऊंचाइयों तक पहुंचे और हरविंद्र कल्याण में उनकी मां के संस्कार साफ दिखाई देते हैं।

राज्यपाल ने कहावत के जरिए किया याद

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने अपने संबोधन में कहा कि 'खंडहर ही बतलाते हैं कि इमारत बुलंद थी।' उन्होंने कहा कि माता प्रेम कौर का व्यक्तित्व सरल और प्रेरणादायक था। उन्होंने परिवार को इस तरह से संस्कारित किया कि आज पूरा परिवार मूल्यों और संस्कारों से परिपूर्ण नजर आता है।

फर्जी फूड सेफ्टी अधिकारी बन होटल संचालक से 25 हजार रुपए की ठगी

मुलाना, 22 मार्च। नेशनल हाईवे 344 पर गांव ब्राह्मण माजरा स्थित एक होटल में फर्जी फूड सेफ्टी अधिकारी बनकर दो युवकों द्वारा होटल संचालक से ठगी करने का मामला सामने आया है। आरोपी होटल पंहुचे और होटल में खामियां निकालने लगे साथ ही होटल सील करने की धमकी देने लगे। इसी का डर दिखाकर आरोपियों ने होटल संचालक से 25 हजार रूपए ऐंठ लिए । मुलाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता गौरव शर्मा निवासी ब्राह्मण माजरा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह नेशनल हाइवे पर अपने फ्तमून ढाबा रेस्टोरेंटफ्त पर मौजूद था। शिकायत के अनुसार 14 मार्च की रात करीब 10 बजे दो युवक कार में सवार होकर होटल पर पहुंचे। दोनों ने अपने गले में आईडी कार्ड लटकाए हुए थे और खुद को फूड सेफ्टी विभाग का अधिकारी बताया। आईडी कार्ड में उनका नाम शुभम और गौरव लिखा था । आरोप है कि उन्होंने होटल की जांच के नाम पर खामियां निकालनी शुरू कर दीं और होटल को सील करने की धमकी दी। गौरव शर्मा ने आरोप लगाया कि दोनों युवक शराब के नशे में थे और उन्होंने डर-धमकाकर उससे 25 हजार रुपये वसूल लिए। जाते समय आरोपियों ने अपना एक मोबाइल नंबर भी दिया और धमकी दी कि अगले दिन फिर आएंगे, इसलिए 50 हजार रुपये और तैयार रखे जाएं, अन्यथा होटल को सील कर दिया जाएगा।

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी ने सुनी जनसमस्याएं, समाधान के दिए निर्देश

नरवाना, 22 मार्च। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने रविवार को अपने निवास स्थान पर आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को तत्काल समाधान हेतु निर्देश दिए। जनसेवा को सर्वोपरि मानने वाले कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी का यह प्रयास न केवल उनके जनप्रतिनिधित्व को मजबूती देता है, बल्कि शासन व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही का भी सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करता है।

इस दौरान अनेक क्षेत्रवासी अपनी-अपनी समस्याओं को लेकर कैबिनेट मंत्री से मिलने पहुंचे। कैबिनेट मंत्री द्वारा क्षेत्रवासियों की समस्याओं को सुनते हुए उचित समाधान के लिए सम्बंधित अधिकारियों को समाधान के आवश्यक निर्देश दिए गए। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जनसेवा ही सच्ची सेवा है और जनता की समस्याओं का उचित समाधान सरकार व प्रशासन की जिम्मेदारी बनती है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकार जनता को सुशासन देने के प्रति दृढ़ संकल्प है।

प्रदेश सरकार गांवों में बुनियादी सुविधाओं को कर रही मजबूतः सुभाष बराला

पंचकूला ऑब्जर्वर

टोहाना, 22 मार्च। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने रविवार को गांव तलवाड़ा में नवनिर्मित बस स्टैंड का उद्घाटन किया। इस बस स्टैंड के निर्माण पर करीब 19 लाख रुपये की लागत आई है।

इस मौके पर सांसद सुभाष बराला ने कहा कि प्रदेश सरकार गांवों के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है और बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नए बस स्टैंड के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और यात्रियों को बेहतर इंतजार स्थल उपलब्ध होगा।

सांसद ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का विस्तार, पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने, स्वच्छता अभियान, बिजली आपूर्ति में सुधार तथा स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसके साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में स्कूलों का उन्नयन और डिजिटल सुविधाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके।

सांसद ने विशेष रूप से पंचायतों को सशक्त बनाने की दिशा में सरकार के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने ग्राम पंचायतों को अधिक अधिकार प्रदान किए हैं, जिससे वे अपने स्तर पर विकास कार्यों की योजना बनाकर उन्हें प्रभावी ढंग से लागू कर सकें। उन्होंने बताया कि पंचायतों को पर्याप्त वित्तीय ग्रांट भी उपलब्ध करवाई जा रही है, ताकि गांवों में आधारभूत ढांचे का विकास तेज गति से हो सके और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार कार्य कराए जा सकें।

उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य गांवों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है, जिसके लिए पंचायतों की भूमिका को और मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से विकास कार्यों में सहयोग करने और सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।

बच्चों में टीबी की पहचान और स्वास्थ्य देखभाल के लिए आयोजित किया गया टीबी जांच स्वास्थ्य शिविर

स्वास्थ्य शिविर के दौरान जिला में हुई 100 दिवसीय निक्षय अभियान की शुरूआत

पंचकूला ऑब्जर्वर

सोनीपत, 22 मार्च। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) व जिला टीबी कार्यालय के सहयोग से रविवार को बच्चों में तपेदिक(टीबी) की शीघ्र पहचान और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक विशाल मेगा पीडियाट्रिक टीबी डिटेक्शन एवं चाइल्ड हेल्थ केयर कैंप का सफल आयोजन किया गया। यह स्वास्थ्य शिविर वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. एन.के. मित्तल के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों और अभिभावकों ने भाग लिया।

टीबी जांच स्वास्थ्य शिविर के दौरान डिप्टी सीएमओ एवं जिला टीबी अधिकारी तरूण यादव ने जिला में 100 दिवसीय निक्षय अभियान की औपचारिक शुरूआत भी की। इस अभियान उद्देश्य विशेष रूप से बच्चों में टीबी की शीघ्र पहचान कर उसके उन्मूलन के प्रयासों को गति देना है।इस दौरान डिप्टी सीएमओ एवं जिला टीबी अधिकारी डॉ. तरुण यादव ने कहा कि बच्चों में टीबी की समय पर पहचान और उपचार सुनिश्चित करना स्वास्थ्य विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने बताया कि 100-दिवसीय निक्षय अभियान के माध्यम से जिले में विशेष रूप से पीडियाट्रिक टीबी पर फोकस करते हुए टीबी उन्मूलन के प्रयासों को और अधिक गति दी जाएगी। डॉ. यादव ने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों में लगातार खांसी, बुखार, वजन में कमी जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत जांच करवाएं और स्वास्थ्य सेवाओं का पूरा लाभ उठाएं।शिविर में वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. एन.के. मित्तल ने कहा कि बच्चों में टीबी की पहचान अक्सर चुनौतीपूर्ण होती है, इसलिए समय पर जांच और जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर न केवल रोग की शीघ्र पहचान में सहायक होते हैं, बल्कि अभिभावकों को सही मार्गदर्शन और विश्वास भी प्रदान करते हैं। डॉ. मित्तल ने कहा कि उनका निरंतर प्रयास रहेगा कि बच्चों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं मिलें तथा टीबी जैसी गंभीर बीमारी को जड़ से समाप्त करने के लिए समाज के हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

लगभग 400 लाभार्थियों ने इस शिविर का लाभ उठाया। जांच के दौरान 70 छाती के एक्स-रे और 40 थूक के नमूनों की जांच मौके पर ही की गई, जिससे संभावित रोगियों की शीघ्र पहचान और उपचार सुनिश्चित हो सका। स्वास्थ्य शिविर में सिविल अस्पताल के साथ-साथ मित्तल नर्सिंग होम, सीएचसी बढखालसा, पीएचसी कुंडली और शहरी डिस्पेंसरी कुंडली के स्टाफ का विशेष सहयोग रहा।

मां मनसा देवी अपने भक्तों पर सदैव कृपा बरसाती हैंः देवेन्द्र पुजारी

कैथल। मार्च देवी माता के नवरात्रों के चलते गांव फतेहपुर स्थित मनसा देवी मंदिर में मां भक्तों की भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है। इस मंदिर की दूर-दूर तक मान्यता है। मंदिर के पुजारी देवेंद्र शर्मा ने बताया कि इस मंदिर में मां मनसा देवी और बाला सुंदरी पिंडी के रूप में स्थापित हैं। माता की पिंडी को गांव मोहणा से यहां लाया गया था। उन्होंने बताया कि माता मनसा देवी 25 गांवों की कुलदेवी है। इस मंदिर में माथा टेकने से हर मनोकामना पूरी होती है। उन्होंने बताया कि दूर-दूर से श्रद्धालु इस मंदिर में माथा टेकने आते हैं और मुरादें मांगते हैं। उन्होंने कहा कि मां मनसा देवी अपने भक्तों पर सदैव कृपा बरसाती हैं। नवरात्रों में यहां पूजा का विशेष महत्व है। साल में दो बार आने वाले नवरात्रों में यहां भक्तों की भारी भीड़ लगती है। जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था की जाती है।

शिवालिक इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में दीक्षांत समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न

पंचकूला ऑब्जर्वर

नारायणगढ़ 22 मार्च। शिवालिक इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल नारायणगढ़ में दीक्षांत समारोह बड़े उत्साह, गरिमा और उपलब्धि की भावना के साथ आयोजित किया गया। यह अवसर विद्यार्थियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुआ, जहां उन्होंने अपने शैक्षणिक सफर के एक नए अध्याय की ओर आत्मविश्वास के साथ कदम बढ़ाया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों, शिक्षकों एवं गौरवान्वित अभिभावकों के गर्मजोशी भरे स्वागत से हुआ। स्नातक गाउन और टोपी पहने विद्यार्थियों ने गरिमापूर्ण ढंग से मंच पर पहुंचकर अपने प्रमाण पत्र प्राप्त किए, जिससे पूरा वातावरण गर्व, खुशी और भावुकता से भर गया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका ईशा शर्मा और अध्यक्ष विक्रांत अग्रवाल ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में विद्यार्थियों को दृढ़ संकल्प, मेहनत और ईमानदारी के साथ अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों की वर्षों की मेहनत, समर्पण और उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

समारोह में प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने चार चांद लगा दिए और पूरे आयोजन को जीवंत व यादगार बना दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'टोपी उछालने' की परंपरा रही, जो एक चरण के सफल समापन और नए सफर की शुरुआत का प्रतीक बनी।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, जिसमें इस आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। यह दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए गर्व और यादगार पलों से भरा एक विशेष अवसर बन गया।

जोड़ों के दर्द को नजरअंदाज न करें

अक्सर लोगों को कमर में अकड़न, पीठ और जोड़ों में दर्द की शिकायत रहती है और वे इसे नजरअंदाज कर देते हैं पर ऐसा करना आपकी सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। अगर जोड़ों के दर्द के कारण आपकी रात में तीन-चार बजे आपकी नींद खुल जाती है और आप असहज महसूस करते हैं, तो डॉक्टर से सलाह लीजिए क्योंकि आपको स्पांडिलाइटिस की शिकायत हो सकती है। स्पांडिलाइटिस से हृदय, फेफड़े और आंत समेत शरीर के कई अंग प्रभावित हो सकते हैं।

स्पांडिलाइटिस को नजरंदाज करने से गंभीर रोगों का खतरा पैदा हो सकता है। इससे बड़ी आंत में सूजन यानी कोलाइटिस हो सकता है और आंखों में संक्रमण हो सकता है। स्पांडिलाइटिस एक प्रकार का गठिया रोग है। इसमें कमर से दर्द शुरू होता है और पीठ और गर्दन में अकड़न के अलावा शरीर के निचले हिस्से जांघ, घुटना व टखनों में दर्द होता है। रीढ़ की हड्डी में अकड़न बनी रही है। स्पांडिलाइटिस में जोड़ों में इन्फ्लेमेशन यानी सूजन और जलन के कारण तेज दर्द होता है।

वहीं नौजवानों में स्पांडिलाइटिस की शिकायत ज्यादा होती है। आमतौर पर 45 से कम उम्र के पुरुषों और महिलाओं में स्पांडिलाइटिस की शिकायत रहती है।

एंकिलोसिंग स्पांडिलाइटिस गठिया का एक सामान्य प्रकार है जिसमें रीढ़ की हड्डी प्रभावित होती है और कशेरूक में गंभीर पीड़ा होती है जिससे बेचैनी महसूस होती है। इसमें कंधों, कुल्हों, पसलियों, एड़ियों और हाथों व पैरों के जोड़ों में दर्द होता है। इससे आखें, फेफड़े, और हृदय भी प्रभावित होते हैं।

बच्चों में जुवेनाइल स्पांडिलोअर्थ्राइटिस होता है जोकि 16 साल से कम उम्र के बच्चों में पाया जाता है और यह वयस्क होने तक तकलीफ देता है। इसमें शरीर के निचले हिस्से के जोड़ों में दर्द व सूजन की शिकायत रहती है। जांघ, कुल्हे, घुटना और टखनों में दर्द होता है। इससे रीढ़, आंखें, त्वचा और आंत को भी खतरा पैदा होता है। थकान और आलस्य का अनुभव होता है।

स्पांडिलाइटिस मुख्य रूप से जेनेटिक म्युटेशन के कारण होता है। एचएलए-बी जीन शरीर के प्रतिरोधी तंत्र को वाइरस और बैक्टीरिया के हमले की पहचान करने में मदद करता है लेकिन जब जीन खास म्युटेशन में होता है तो उसका स्वस्थ प्रोटीन संभावित खतरों की पहचान नहीं कर पाता है और यह प्रतिरोधी क्षमता शरीर की हड्डियों और जोड़ों को निशाना बनाता है, जो स्पांडिलाटिस का कारण होता है हालांकि अब तक इसके सही कारणों का पता नहीं चल पाया है.

उन्होंने कहा कि जब जोड़ों में दर्द की शिकायत हो तो उसकी जांच करवानी चाहिए क्योंकि इससे उम्र बढ़ने पर और तकलीफ बढ़ती है। एचएलए-बी 27 जांच करवाने से स्पांडिलाइटिस का पता चलता है। एचएलए-बी 27 एक प्रकार का जीन है जिसका पता खून की जांच से चलता है। इसमें खून का सैंपल लेकर लैब में जांच की जाती है. इसके अलावा एमआरआई से भी स्पांडिलाइटिस का पता चलता है. स्पांडिलाइटिस का पता चलने पर इसका इलाज आसान हो जाता है। ज्यादातार मामलों का इलाज दवाई और फिजियोथेरेपी से हो जाता है। वहीं कुछ ही गंभीर व दुर्लभ मामलों में सर्जरी की जरूरत पड़ती है।

दवाइयों से बचने के लिए लोग कर रहे हैं फिजियोथेरेपी की ओर रुख

फिजियोथेरेपी का चलन आजकल बढ़ता जा रहा है। कई प्रकार की बीमारियों का उपचार इससे हो रहा है। घुटनों, पीठ या कमर में दर्द जैसे कई रोगों से बचने या निपटने के लिए बिना दवा खाए फिजियोथेरेपी के जरिये असरदार इलाज कराया जा सकता है।मौजूदा समय में अधिकांश लोग दवाइयों से बचने के लिए फिजियोथेरेपी की ओर रुख कर रहे हैं, क्योंकि यह न केवल कम खर्चीला होता है, बल्कि इसके दुष्प्रभाव की आशंका न के बराबर होती है।

मांसपेशियों को सक्रिय करने का तरीका है फिजियोथेरेपी

प्रशिक्षित फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा व्यायाम के जरिए शरीर की मांसपेशियों को सही अनुपात में सक्रिय करने की विधा फिजियोथेरेपी कहलाती है। इसे हिंदी में भौतिक चिकित्सा पद्धति कहा जाता है। घंटों लगातार कुर्सी पर वक्त बिताने, गलत मुद्रा में बैठने और व्यायाम या खेल के दौरान अंदरूनी खिंचाव या जख्मों की हीलिंग के लिए फिजियोथेरेपिस्ट की सेवा लेने की सलाह खुद चिकित्सक भी देते हैं!

विशेजषज्ञों का कहना है कि सबसे पहले यह बताना जरूरी है कि केवल रोगी ही नहीं, बल्कि स्वस्थ्य लोग भी ठीक रहने के लिए फिजियोथेरेपिस्ट की सलाह ले सकते हैं। मौजूदा समय में फिजियोथेरेपी काफी लोकप्रिय हुई है। इसकी लोकप्रियता और भरोसे का कारण यह भी है कि बाकी इलाज पद्धतियों से अलग फिजियोथेरेपी उच्च पेशेवर लोग ही करते हैं। अस्थमा और फ्रैक्चर पीड़ितों के अतिरिक्त गर्भवतियों को भी फिजियोथेरेपी की सलाह दी जाती है। लगभग देश के हर बड़े अस्पताल में फिजियोथेरेपी की जाती है। वहीं, बुजुर्गों, मरीजों और कामकाजी लोगों के लिए घर तक फिजियोथैरेपी की सेवा पहुंचाने का भी चलन बढ़ा है। इसकी खास बात है कि फिजियोथेरेपिस्ट मरीज पर व्यक्तिगत तौर पर ध्यान देता है जो किसी हॉस्पिटल या क्लीनिक में संभव नहीं है। पेशवरों की निगरानी में व्यायाम कार्यक्रमों के चलन ने भी घर पर उपलब्ध होने वाली फिजियोथेरेपी सेवा की लोकप्रियता बढ़ा दी है।

सत्र पूरे करें

आपको फिजियोथेरेपी का लंबे समय तक फायदा मिले तो इसके सभी सत्र पूरे किए जाने जरूरी हैं। फिजियोथेरेपी शुरू करने से पहले उसकी अवधि की जानकारी ले लेनी चाहिए।

बचपन इंसान की जिंदगी की नींव होती है। एक बच्चा अपने बचपन में किस तरह का व्यवहार सीखता है उसका प्रभाव उसकी पूरी जिंदगी पर पड़ता है। । कई बार अभिभावक बच्चों की कुछ छोटी-छोटी गलत आदतों को ये सोचकर नजरअंदाज कर देते हैं कि बड़ा होने पर वो सुधर जाएगा पर यही लापरवाही आगे चलकर बच्चे के व्यवहार पर को खराब कर देती है। इसलिए इन आदतों की अनदेखी न करें।

बच्चों की गलत आदतों को नजरअंदाज न करें

बड़ों से बदतमीजी करना

कई बच्चे अपने से बड़ों से बात करते समय शिष्टाचार का ध्यान नहीं रखते। वे चिल्लाकर बोलते हैं या उल्टा जवाब देते हैं। बच्चे की ये आदत बहुत ही खराब होती है। जब कोई बच्चा अपने माता-पिता, दादी-दादा या किसी और बड़े से बदतमीजी करता है, तो लोग अभिभावकों की परवरिश पर सवाल उठाने लगते हैं। सबको लगता है कि घर में ही बच्चे को ऐसे संस्कार सिखाए जा रहे हैं। ऐसे में ये जरूरी है कि बच्चे को बड़े और छोटे दोनों का लिहाज करना सिखाया जाए।

नकल करना या मजाक उड़ाना

बच्चे अक्सर किसी की चाल, बोलने के ढंग की नकल करते हैं। जब तक यह नकल पॉजिटिव तरीके से की जाती है, तो ठीक रहती है। लेकिन बच्चे अगर किसी का मजाक उड़ाने लगें, किसी की कमजोरियों की नकल करने लगें, तो ये बदतमीजी होती है। बच्चों की इस हरकत की वजह से अभीभावकों को शर्मिंदगी उठानी पड़ती है। इसलिए बच्चे अगर इस तरह की हरकत करें तो उन्हें प्यार से समझाएं कि किसी का मजाक उड़ाना गलत है और हर किसी का सम्मान करना चाहिए।

झूठ बोलने की आदत

अगर बच्चा बार-बार झूठ बोलने लगे, तो ये बहुत ही खराब आदत है। यूं तो शुरू में ये आदत खेल-खेल में या किसी डांट से बचने के लिए होती है, लेकिन अगर बच्चे को समय रहते समझाया ना जाए तो बच्चा धीरे-धीरे इसे सही समझने लगता है। ऐसा बच्चा स्कूल, दोस्तों और रिश्तेदारों के बीच भरोसेमंद नहीं रहता। बच्चा जब झूठ बोलने लगता है तो इसका असर परिवार की इमेज पर भी पड़ता है। इसलिए बच्चे को सच बोलना सिखाना बहुत जरूरी है, चाहे इसके लिए थोड़ी सख्ती ही क्यों ना करनी पड़े।

कहानी

जब लालच बुद्धि पर हावी हो जाए

प्यारे बच्चों, आपने अक्सर सुना होगा कि लालच बुरी बला है। लालच हमें वह काम भी करवा देता है जो हमें नहीं करना चाहिए, और इसके कारण हम कई बार बड़ी मुसीबत में फँस जाते हैं। जब हम अपने फायदे के लिए दूसरों की समझदारी भरी सलाह को अनसुना कर देते हैं, तो इसका परिणाम बहुत बुरा हो सकता है।

आज हम जंगल के एक तोते की कहानी पढ़ेंगे, जिसका नाम था 'तोताराम'। तोताराम बहुत बातूनी और फुर्तीला था, लेकिन उसका सबसे बड़ा दुश्मन उसका अपना लालच था।

तोताराम की चतुराई और चेतावनी

सुंदर 'हरियाली वन' में तोताराम रहता था। जंगल के किनारे एक किसान का छोटा सा बाग था, जिसमें मीठे-मीठे और रसीले अमरूद लगे हुए थे। तोताराम अक्सर चुपके से जाकर वहाँ से अमरूद चुराता था।

जंगल में उसका सबसे अच्छा दोस्त, बुद्धू उल्लू, रहता था। बुद्धू उल्लू रात में जागता था, इसलिए उसे इंसान की चालों की अच्छी समझ थी।

बुद्धू उल्लू : 'तोताराम, तुम रोज़ उस बाग में क्यों जाते हो? किसान बहुत चतुर है। मुझे डर है कि वह तुम्हें फँसाने के लिए कोई चाल चल रहा होगा।'

तोताराम : (घमंड से हँसते हुए) 'बुद्धू, तुम उल्लू हो, इसलिए रात में ही सोचते हो। मैं तो तोता हूँ! मैं उड़ने में इतना तेज़ हूँ कि कोई किसान मुझे पकड़ ही नहीं सकता। तुम अपनी नींद पूरी करो।'

तोताराम ने दोस्त की बात को बार-बार अनसुना कर दिया। उसके लिए लालच, दोस्ती की सलाह से ज़्यादा ज़रूरी था।

किसान की चाल और लालच का जाल

एक दिन, तोताराम हमेशा की तरह बाग में पहुँचा। उसने देखा कि इस बार किसान ने सबसे बड़ा और सबसे रसीला अमरूद एक पेड़ पर अकेले छोड़ रखा है। अमरूद इतना सुंदर था कि तोताराम का लालच तुरंत जाग उठा।

तभी, उसने देखा कि उस अमरूद के ठीक नीचे, ज़मीन पर एक रंग-बिरंगा बर्तन रखा है, जो शहद से भरा हुआ था।

तोताराम की आँखें चमक उठीं। उसने सोचा : 'वाह! आज तो दोहरी दावत है! पहले अमरूद और फिर शहद!'

लेकिन, वह मूर्खतापूर्ण लालच में यह नहीं देख पाया कि वह बर्तन असल में गोंद (चिपचिपा पदार्थ) से भरा हुआ था, जिसे किसान ने तोते को फँसाने के लिए शहद बताकर रखा था।

तोताराम ने अमरूद की परवाह नहीं की। उसका सारा ध्यान अब उस 'शहद' पर था।

तोताराम : 'बस एक बार यह मीठा शहद चख लूँ, फिर उड़ जाऊँगा।'

उसने लालच में ज़मीन पर छलांग लगाई और उस चिपचिपे बर्तन में अपना सिर और पंजे डाल दिए।

जैसे ही तोताराम ने गोंद (शहद समझकर) चाटना शुरू किया, उसके पैर और पर (पंख) पूरी तरह से उस चिपचिपे पदार्थ में फँस गए। वह जितना ज़्यादा निकलने की कोशिश करता, उतना ही ज़्यादा फँसता जाता।

वह ज़ोर से चिल्लाया : 'मदद! कोई मेरी मदद करो!'

उसकी आवाज़ सुनकर, किसान वहाँ हँसते हुए आ गया।

किसान : 'बुरे फंसे तोताराम! मैंने तुम्हें तुम्हारी फुर्ती से नहीं, तुम्हारे लालच से पकड़ा है।'

तोताराम को अपनी गलती का एहसास हुआ। उसने बुद्धू उल्लू की सलाह को अनसुना कर दिया था और अपने लालच के कारण एक छोटी सी सुविधा के लिए अपनी आज़ादी को दाँव पर लगा दिया था।

शाम को बुद्धू उल्लू जब उसे बचाने आया, तो उसने अपनी चतुराई से तोताराम को गोंद से बाहर निकाला। तोताराम बहुत शर्मिंदा था और उसने अपने दोस्त से वादा किया कि वह अब कभी लालच में आकर बिना सोचे-समझे कोई काम नहीं करेगा।

सीख

यह कहानी हमें सिखाती है कि लालच और अहंकार हमें अंधा बना देते हैं। हमें कभी भी अपनी चतुराई पर इतना घमंड नहीं करना चाहिए कि हम दोस्तों की सलाह और आस-पास की चेतावनियों को नजरअंदाज़ कर दें। बिना सोचे-समझे लालच में कदम उठाना, ठीक वैसे ही है जैसे बुरे फँसना और अपनी ही मुसीबत को न्योता देना।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : श्री शिवम ग्रोवर, मुद्रक : इंप्रेशन प्रिंटिंग प्रेस एंड पैकेजिंग लिमिटेड, भूतल प्लांट नं.-22, प्रथम तल, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला में मुद्रित। प्रकाशन स्थल : पंचकूला ऑब्जर्वर, प्लॉट नं.-365, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, पंचकूला। मुख्य संपादक : श्री अरुण ग्रोवर, समाचार चयन एवं प्रकाशन की समस्त जिम्मेदारी प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स (PRP) एक्ट के अंतर्गत पंचकूला न्यायालय क्षेत्राधिकार में निहित होगी। RNI पंजीकरण संख्या : HRB/L/25/A3417 संपर्क मोबाइल : 98888-86909, ई-मेल : panchkulaobservernews@gmail.com